edufy publications

नज़ारा

TEACHERS RESOURCE MANUAL

Hindi
Grade 5

Grade -5

1 सहारा हमारा

कहानी, कविता, एकाँकी- तीन प्रोक्तियाँ हैं।
प्यार, प्रकृति प्रेम और व्यक्तित्व पर आधारित प्रोक्तियाँ
मानवीय संस्कृति का अवबोध
प्रकृति प्रेम की अवधारणा

पाठ एक - मिट्ठू (कहानि)

प्रक्रिया 1 – पुल बाँधें - लिखें।

विमल के घर के आँगन में रोज़ एक नन्ही चिड़िया आ जाती है। चिड़िया मीठे-मीठे गीत सुनाकर उसे अपने पास बुलाती है। जब वह उसके पास जाता चिड़िया फुदककर दूर चली जाती है। जब वह उसके पीछे आता तब चिड़िया उड़ जाती है। छोटी सी चिड़िया पर विमल को बहुत छकाती है। चिड़िया खुद नाचती है और विमल को नाच नचाती है। कभी-कभी विमल को उसपर झुँझलाहट-सी आती है। विमल कहता है यह चिड़िया मुझे क्यों इतनी भाती है।

इसका वाचन करें। छात्र भी वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

किसके आँगन में चिड़िया आती है?
चिड़िया विमल को कैसे अपने पास बुलाती है?
विमल चिड़िया के बारे में क्या कहता है
क्या आप ऐसे किसी जानवर से प्यार करते हैं?

जवाब देने का अवसर दें
लिखने का अवसर दें।
और एक बार वाचन कराएँ।

प्रक्रिया 2 – पुल बाँधें .. लिखें ..

विमल और चिड़िया के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें।
विमलः चिड़िया तुम कहाँ से आती हो?
चिड़ियाः .....
वैयक्तिक रूप से लिखें। प्रस्तुत करें।
दल में परिमार्जन करें।
दलीय प्रस्तुति
टीचरः मनुष्य मनुष्य से ही नहीं जीव-जंतुओं से भी प्यार करता है। जानवर और मनुष्य के बीच के आपसी प्यार की कहानी सीखें।

प्रक्रिया 3 – देखें पहचानें

सर्कस से संबंधित चित्र,विडियो आदि दिखाएँ।
प्रश्न पूछें-

सर्कस में कौन-कौन-से जानवर हैं?

बोलने का अवसर दें।
किन्हीं दो जानवरों के बीच का वार्तालाप लिखने को कहें।
चुनिंदे छात्रों की प्रस्तुति हो।

प्रक्रिया 4 – पढ़ें ... समझें ... (बंदरों के तमाशे ... दोस्ती हो गई)

वाचन प्रक्रिया
पाठभाग को सुविधानुसार खंडों में बाँटें।
पहले खंड की वाचन प्रक्रिया।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें। कठिन प्रसंगों को समझाएँ।
प्रश्न पूछें-

बंदर किसके इशारों पर नकलें करता है?
यहाँ किसके कपड़े उठाकर भागने के संबंध में बताया गया है?
क्या आपने कभी सर्कस देखा है?
सर्कस के तंबू में क्या-क्या दृश्य देखे हैं?
सर्कस में क्या-क्या जानवर थे?
मिट्ठू कौन था?
बच्चे किस जानवर को सबसे ज्यादा पसंद करते थे?
गोपाल मिट्ठू को खिलाने के लिए अपने घर से क्या-क्या लाता था?
मिट्ठू और गोपाल कितना हिलमिल गए थे?

छात्रों को उत्तर देने का अवसर दें।
ज़रूरत पड़ने पर अध्यापक आवश्यक सहायता देते रहे।

प्रक्रिया 5 पोस्टर बनाएँ .. चिपकाएँ..

लखनऊ में एक सर्कस कंपनी आई है।
इसका एक पोस्टर बनाएँ।
लेखन प्रक्रिया के सभी सोपानों का पालन करें।

प्रक्रिया 6 – पढ़ें .. समझें ..

दूसरे खंड का वाचन करें।
छात्र सस्वर वाचन करें।
वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न-

किस बात से गोपाल को बड़ा रंज हुआ?
गोपाल ने किसके लिए अपनी माँ से अठन्नी माँगी?
गोपाल मिट्ठू को क्यों खरीदना चाहता था?
माँ उसको मिट्ठू को खरीदने से क्यों मना करना चाहती थी?
गोपाल क्यों रोने लगा?
गोपाल का दिल भर गया। क्यों?
गोपाल कितने पैसे देकर मिट्ठू को खरीदना चाहता था?

खंड का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
छात्रों को उत्तर देने का अवसर दें।
उत्तर देने के लिए अध्यापक अधिकाधिक प्रोत्साहित करें।
ज़रूरत पड़ने पर छात्रों की सहायता करें।

प्रक्रिया 7 – लिख लिखते खुश हो जाएँ।

मिट्ठू को खरीदने के बारे में गोपाल और माँ के बीच का वार्तालाप तैयार करें।
लेखन के प्रक्रिया के सभी सोपानों का पालन करें।

प्रक्रिया 8 – पढ़ें .. समझें .. (गोपाल निराश .... अच्छा हो गया)

खंड तीन की वाचन प्रक्रिया जारी करें।
प्रश्न-

गोपाल कैसे चीते के कठघरे के पास पहुँचा?
गोपाल ने मिट्ठू को कैसे बचाया?
मिट्ठू कैसे घायल हुआ?
गोपाल क्यों रोने लगा?
मिट्ठू का उपचार कैसे किया गया?

छात्रों को उत्तर देने का अवसर दें।
उत्तर देने के लिए अध्यापक अधिकाधिक प्रोत्साहित करें।
ज़रूरत पड़ने पर छात्रों की सहायता करें।

प्रक्रिया 9 – लिख लिखते खुश हो जाएँ

मिट्टू ने गोपाल को चीते से बचाया। गोपाल के उस दिन की डायरी लिखें।
लेखन प्रक्रिया के सभी सोपानों का पालन करें।

प्रक्रिया 10 – पढ़ें .. समझें .. (कई दिन मिट्ठू की ... घर पहुँच गए)

अंतिम खंड की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्नः

कंपनी के चलने का दिन आया तो गोपाल क्यों रंजीदा था?
मिट्ठू गोपाल को कैसे देख रहा था?
सर्कस के मालिक ने गोपाल को मिट्ठू को कैसे दिया?
गोपाल को जैसे कोई राज़ मिल गया। ऐसा क्यों कहा गया है?

प्रक्रिया 11 लिख लिखते खुश हो जाएँ

गोपाल को मिट्टू मिला, बहुत खुश हुआ। इसपर अपने मित्र के नाम गोपाल का पत्र लिखें।
लेखन प्रक्रिया के सभी सोपानों का पालन करें।

पृ. 12 सही प्रस्ताव चुनकर लिखें।
पृ. 11 विलोम शब्द पहचानें और लिखें।
पृ. 12 समझें और लिखें करें।
पृ. 13 लग का प्रयोग
वह दौड़ने लगता है।
बछिया गाय के पीछे चलने लगी।
हम खेलने लगेंगे।
वाक्यों का वाचन करें।
आरंभबोधक लग का अर्थ समझाएँ।
तीन कालों में लग के प्रयोग को समझाएँ।
वह खाता है।

वे सोये। .....
मैं हिंदी लिखूँगा। .....

पाठ 2 ताकत (कविता)

प्रक्रिया 1 सुनाएँ गीत .. गाएँ गीत ..

प्रकृति पर आधारित बालगीत का आलाप करें। आलाप कराएँ।

तरह तरह के पत्ते लाकर आओ खेलें खेल
मैं पीपल का कोमल-कोमल
चिकना-चिकना पत्ता लाऊँ
और बनाऊँ उसका बाजा
पी पी पी पी उसे बजाऊँ।

प्रक्रिया 2 देखें .. पहचानें ..

प्रकृति से संबंधित विडियो दिखाएँ।
प्रकृति और मानव के संबंध का परिचय दें।

प्रक्रिया 3 पढ़ें .. समझें ..

पहली आठ पंक्तियों की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्नः

कवि पहाड़ से क्या पाया?

कवि ने नदी के पास जाने पर क्या परिवर्तन अनुभव किया ?

कवि ने खेत के पास जाने पर क्या महसूस किया?

आठ पंक्तियों का आशय समझा दें।

बोलें-
पहाड़ के पास जाने पर कवि के अंदर करुणा भर गई।
नदी के पास जाने पर कवि को लगा कि नदी की कोमलता उसके भीतर प्रवेश कर रही है।
खेत के पास जाने पर कवि को महसूस हुआ कि उसकी नमी अपने भीतर उतर रही है।

प्रक्रिया 4 – पढ़ें .. समझें ..

अंतिम बारह पंक्तियों की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्नः

जंगल के पास जाने पर कवि को कैसा अनुभव हुआ?

विस्मय से आकाश को निहारने से स्वयं को कवि कैसे पाते हैं?

कवि को प्रेम करने की ताकत कहाँ से मिली?

हाव-भाव से आलाप करें। छात्रों के साथ आलाप करें।
बारह पंक्तियों का आशय समझा दें।
बोलें- जंगल के पास जाने पर उसके दुर्लभ संगीत से कवि की आत्मा के तार झंकृत हुए।
विस्मय से आकाश की ओर देखने पर एक पक्षी, एक पशु और एक पेड़ ने कवि के दिल के कोने में अपनी जगह बनाई। याने उनका दिल प्रकृति प्रेम से भर जाता है। अंत में एक मनुष्य के पास गया। तब कवि अपने भीतर बची हुई प्रेम करने की ताकत को पाया। कवि कहते हैं कि मनुष्य के पास जाने पर ही प्यार करना सीखा।

प्रक्रिया 5 – जोड़ें .. लिखें

मैं सागर के पास गया।
पंक्तियाँ जोड़ने की मदद करें।
लेखन प्रक्रिया के सभी सोपानों का पालन करें।
पृ.17 सही मिलान करें।
पृ. 16 कविता की पंक्तियों का भाव लिखें।
पृ. 17 पर्याय के सभी जोड़े चुनकर लिखें।

पाठ तीन
अपना काम स्वयं करें (एकाँकी)

प्रक्रिया 1 – लिखें .. अभिनय करें ..

दो बिल्लियों के बीच का वार्तालाप सुनें।
काली बिल्लीः बिल्ली बहन, नमस्ते।
सफ़ेद बिल्लीः नमस्ते बहन, नमस्ते।
कालीः अच्छी तो हो?
सफ़ेदः अच्छी क्या? मैं भूखी हूँ।
कालीः मैं भी भूखी हूँ।
सफ़ेदः खाने को कुछ ढूँढ़ रही हूँ।
कालीः उस खोज में मैं भी निकली हूँ।
सफ़ेदः मुझे महक रोटी की आती है।
कालीः हाँ, मेरी भी नाक बताती, पास कहीं है।
सफ़ेदः रखी मेज़ पर है वह रोटी। लपकूँ?कोई आ न जाए तो...
कालीः तू डर, मैं तो लेने चली ...
वार्तालाप का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।

वार्तालाप को हाव-भाव से प्रस्तुत करें।
छात्र भी हाव-भाव से प्रस्तुत करें।
(चेहरे पर भाव, शब्द भावानुसार हो)
दो छात्रों को चुनें।
छात्र हाव-भाव से वार्तालाप प्रस्तुत करें। (एकसाथ)
फिर एक को काली बिल्ली और एक को सफ़ेद बिल्ली बना दें।
फिर हाव-भाव से प्रस्तुत कराएँ।
अपने-अपने संवाद को ध्यान से सुनाने को कहें।
फिर छात्र अभिनय द्वारा प्रस्तुत करें।
इस प्रकार दो-तीन दलों से प्रस्तुत कराएँ।

प्रक्रिया 2 - देखें .. पहचानें ..

ईश्वरचन्द्र विद्यासागर का चित्र, फोटो, विडियो- दिखाएँ।
प्रश्न द्वारा विद्यासागर का परिचय दें।

प्रक्रिया 3 पढ़ें .. समझें ..

पात्र परिचय दें।
पहले दृश्य की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्नः
विदेशी पर्यटक किसको पुकार रहा है?
क्या उसे कूली मिला?
विदेशी पर्यटक किसकी शिकायत करता है?
दूसरा व्यक्ति विदेशी पर्यटक से क्या कहता है?
विदेशी पर्यटक कहाँ जाना चाहता है?
क्या कूली विद्यासागर का घर जानता है?
दोनों कहाँ जा रहे हैं?

प्रक्रिया 4 – पढ़ें .. समझें ..

दूसरे दृश्य की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्नः
वे दोनों कहाँ पहुँचते हैं?
विदेशी पर्यटक कुली से क्या कहता है?
कूली घर के अंदर से वापस आकर क्या कहता है?
"जी! मैं ही ईश्वरचन्द्र विद्यासागर हूँ। कहिए, आप किस उद्देश्य से आए हैं"?
यह सुनकर विदेशी पर्यटक क्या कहता है?
विदेशी पर्यटक अपनी भूल समझकर क्या करता है?
"आपने मुझे पहले क्यों नहीं बताया"?
इस प्रश्न का विद्यासागर क्या जवाब देते हैं?
विद्यासागर पर्यटक को क्या शिक्षा देते हैं?

प्रक्रिया 5 – जोड़ें .. स्वयं करें ..

प्रश्नः
आप लोग क्या-क्या काम स्वयं करते हैं?

मैं जूठी थाली साफ करता हूँ।

प्रक्रिया 6

पृ. 23 – पढ़ें .. बोलें .. लिखें ..
शब्दों का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
पात्र पर्यटक चन्द्र विद्या व्यक्ति वस्त्र ईश्वर दृश्य
इस प्रकार के शब्द चुनकर लिखें।
वाचन करें।
संयुक्त वर्ण के नीचे रेखा खींचें।
लिखें
त् + र = त्र
.....
.....

प्रक्रिया 7 – समझें .. लिखें ..

मैं खाने का प्रबन्ध करूँगा।
मैं खाने का इंतज़ाम करूँगा।
मैं कलम से लिखता हूँ।
मैं लेखनी से लिखता हूँ।
प्रबन्ध - इंतज़ाम
कलम - लेखनी
ध्यान से पढ़ें .. भरें ..

ज़रूरत, भीतर, लक्ष्य, माफ़, पाँव, प्रतीक्षा, बुलाना

पृ. 23 समान अर्थवाले शब्दों से भरें।

Grade-5

प्रक्रिया 8 – जोड़ें .. याद करें ..

पृ. 24
वाक्यों का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
लाल रंगवाले शब्दों की विशेषता समझाएँ।
मैं ... हूँ।
तुम ... हो।
वह ... है।
आप ... हैं।
'उचित सर्वनाम जोड़ें'-
सर्वनामों से खाली जगह पूरा करें।
का प्रयोग पूरा करने को कहें।

प्रक्रिया 9 – लिखें .. मज़ा उठाएँ ..

एकाँकी का कहानी के रूप में बदलकर लिखें।
घटनाएँ चुनकर लिखें।
संवाद का चयन कर लिखें।
कहानी को आगे बढ़ाएँ।
एक बार एक विदेशी पर्यटक .....
लेखन प्रक्रिया के सभी सोपानों का पालन करें। कहानी का वाचन कराएँ।

प्रक्रिया 10

एकाँकी का मंचन करें।
दो पात्रों को चुन लें।
संवाद बोलने का अभ्यास दें।
एकाँकी का मंचन करें।

2 ग़ज़ब की दुनिया

पत्र, कविता, लेख- तीन प्रोक्तियाँ हैं।
विज्ञान पर आधारित प्रोक्तियाँ
मानव जीवन में विज्ञान की प्रगति का अवबोध
विज्ञान से मानव जीवन के अटूट संबंध की अवधारणा

पाठ एक – मेरा दुश्मन मेरा दोस्त मेरा कंप्यूटर (पत्र)

प्रक्रिया 1 – पहचानें .. लिखें ..

अध्यापिका छात्रों को नुसखा बाँटें।
श्यामपट पर लिखें।

छात्र का नाम	
1	कंप्यूटर अच्छी तरह जाननेवाला
2	कंप्यूटर जाननेवाला
3	कंप्यूटर आँशिक रूप से जाननेवाला
4	कंप्यूटर बिल्कुल नहीं जाननेवाला

अध्यापिनका बोलें-
जो नुस्खा दिया है उसमें अपना नाम लिखें। फिर कंप्यूटर की जानकारी के आधार पर अच्छी तरह मालूम है तो नंबर 1 लिखें, मालूम है तो 2 लिखें, आँशिक रूप से मालूम है तो 3 लिखें और बिल्कुल नहीं मालूम है तो 4लिखें। लिखने के बाद एक बक्से में डालें। नंबर के आधार पर छाँटें।
बोलें-
एक नंबरवाले हाथ उठाएँ।
दो नंबरवाले हाथ उठाएँ।
तीन नंबरवाले हाथ उठाएँ।
4 नंबरवाले हाथ उठाएँ।
इससे हम पहचान सकते हैं कि कक्षा में कंप्यूटर जाननेवाले कितने होंगे।

प्रक्रिया 2 – पहचानें .. लिखें ..

श्यामपट पर लिखें।
मेरा परिवार और कंप्यूटर

नं.	परिवार का सदस्य	कंप्यूटर अच्छी तरह जाननेवाला	कंप्यूटर आँशिक रूप से जाननेवाला	कंप्यूटर बिल्कुल नहीं जाननेवाला

बोलें-
अपने परिवार के सदस्यों का नामं बारी-बारी से लिखें। उनसे कंप्यूटर की जानकारी के बारे में पूछें। फिर कॉलम में लगाएँ।
दूसरा दिन कक्षा में प्रस्तुत करें।
बोलें-
हम समझ सकते है हमारे परिवार में कितने लोग कंप्यूटर साक्षर हैं।

प्रक्रिया 3 – पढ़ें .. समझें ..

कंप्यूटर की आत्मकथा प्रस्तुत करें।

मैं कंप्यूटर आधुनिक सभ्यता का प्रतीक हूँ। आज के विज्ञान के युग में मैं एक अद्‌भुत मशीन हूँ। मैं इंटरनेट की सहायता से मानव की बड़ी सहायता करता हूँ। मुझमें टंकण करके करोड़ों किताबों का प्रकाशन होता है। मेरा आविष्कार मानव के विकास के लिए हुआ है। मेरे बिना मानव जीवन अधूरा है।
प्रश्न पूछें-

प्रक्रिया 4 – पढ़ें .. समझें मेरा दूश्मन मेरा दोस्त मेरा कंप्यूटर (आज तुम्हारी... गँवाया)

वाचन प्रक्रिया
पाठभाग को सुविधानुसार खंडों में बाँटें।

पहले खंड की वाचन प्रक्रिया।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें। कठिन प्रसंगों को समझाएँ।
प्रश्न पूछें-

पत्र किसने लिखा?
पत्र किसको लिखा?
नानी को किसने कंप्यूटर का प्रयोग सिखा दिया?
नानी ने कंप्यूटर के बारे में क्या कहा?
अनीश की फरमाइश क्या थी?
फरमाइश पूरी करने के लिए नानी ने क्या प्रयत्न किया?
कविताओं का कचरा किसने किया?
नानी कविताओं को वर्ड पर उतारने का प्रयास करने से क्या गड़बड़ी हुई थी?

छात्रों को जवाब देने का अवसर दें।

प्रक्रिया 5 – पढ़ें .. समझें मेरा दूश्मन मेरा दोस्त मेरा कंप्यूटर (अब मैं ने... शरारतों से)

वाचन प्रक्रिया
पाठभाग को सुविधानुसार खंडों में बाँटें।
दूसरे खंड की वाचन प्रक्रिया।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें। कठिन प्रसंगों को समझाएँ।
प्रश्न पूछें-
नानी ने क्या निर्णय लिया?

नानी ने तीन कविताएँ कैसे टाइप कीं?
कविताएँ ई मेल पर उतारने के लिए क्या किया?
भूल सुधारने के लिए नानी ने क्या किया?
नानी की तीन कविताएँ हड़पकर गए। कैसे?
'वर्ड मुझसे नाराज़ लग रहा था' ऐसा क्यों कहा गया?
नानी का सारा दिन बर्बाद हो गया। कैसे?
जवाब देने का अवसर दें।??
पत्र किसको लिखा?
नानी को किसने कंप्यूटर का प्रयोग सिखा दिया?
नानी ने कंप्यूटर के बारे में क्या कहा?
अनीश की फरमाइश क्या थी?
फरमाइश पूरी करने के लिए नानी ने क्या प्रयत्न किया?
कविताओं का कचरा किसने किया?
नानी कविताओं को वर्ड पर उतारने का प्रयास करने से क्या गड़बड़ी हुई थी?

जवाब देने का अवसर दें
लिखने का अवसर दें।
और एक बार वाचन कराएँ।

प्रक्रिया 6 – पढ़ें .. समझें .. (वैसे यह .... बन जाएँगे)

वाचन प्रक्रिया
तीसरे खंड की वाचन प्रक्रिया।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें। कठिन प्रसंगों को समझाएँ।
प्रश्न पूछें-

नानी ने किसके जन्म पर ई मेल भेजी?
नानी ने ई मेल में क्या भेजी?
अनीश के पापा ने फोन करके क्या कहा?
'मैं कितनी शर्मिंदा हुई'- नानी ने ऐसा क्यों कहा?
नानी ने अनीश को क्यों पत्र भेजा?
ई मेल और सादा पत्र भेजने में क्या अंतर है?

जवाब देने का अवसर दें।

प्रक्रिया 7 - पढ़ें .. समझें .. (गुस्से में ... नानी का संकल्प है।)

वाचन प्रक्रिया
चौथे खंड की वाचन प्रक्रिया।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें। कठिन प्रसंगों को समझाएँ।
प्रश्न पूछें-

नानी गुस्से में क्या करना चाहती थी?

नानी गुस्से में कंप्यूटर को घर से निकाल देना चाहती थी। लेकिन ऐसा क्यों नहीं किया?

कंप्यूटर नानी को क्यों सताता है?

अच्छी नस्ल का घोड़ा कमज़ोर घुड़सवार को पटक देता है। नानी ने ऐसा क्यों कहा?

नानी का संकल्प क्या है?

नानी ने अंत में फरमाइश कैसे पूरी की?

नानी किसकी शिसायत किससे कर रही है?

नानी इस समस्या का समाधान कैसे करना चाहती है?

जवाब देने का अवसर दें।
पूरे पत्र का वाचन करें।
छात्र पूरे पत्र का वाचन करें।

प्रक्रिया 8 – लिख – लिखते खुश हो जाएँ।

पृ. 31 में नानी के चरित्र की विशेषताएँ चुनकर लिखने का अभ्यास है।
नीचे दिए वाक्य पढ़ें।
नानी के चरित्र की विशेषताएँ चुन लें।
चुनी हुई विशेषताओं के आधार पर नानी के चरित्र की विशेषताओं पर टिप्पणी लिखें।
शीर्षक दें।

प्रक्रिया 9 – लिख लिखते खुश हो जाएँ।

अनीश को नानी का पत्र मिला। पढ़कर खूब हँसा। कंप्यूटर नानी को बहुत परेशान कर रहा है। कंप्यूटर की ज्यादा जानकारी देने के लिए अनीश ने नानी के नाम पत्र लिखा। वह पत्र तैयार करें।
पत्र का दुबारा वाचन करें।
कंप्यूटर से नानी को हुई परेशानियाँ क्या-क्या थीं?
नानी को कंप्यूटर की और क्या-क्या नई जानकारियाँ मिलनी चाहिए।
इन दोनों प्रश्नों के उत्तर बताने का अवसर दें।
पत्र की रूपरेखा समझा दें।
पत्र लिखने का अवसर दें।
प्रस्तुत करने का अवसर दें।
दल में परिमार्जन करें।
दलों की प्रस्तुति हो।
किसी एक दल की उपज का संशोधन करें।
टीचर वर्शन प्रस्तुत करें।

प्रक्रिया 10 – ढूँढें .. निकालें ..

पत्र से प्रत्ययुक्त सर्वनाम चुनकर लिखें।
जैसेः तुम्हारी, तुम्हें, तुमने, मुझे, ...
इनमें से सर्वनाम और प्रत्यय को अलग करके दिखा दें।
छात्रों को अलग करके लिखने का अवसर दें।
पृ. 33 में सामान्य भविष्यत् काल संबंधी वाक्यों का वाचन करें।
रेखांकित क्रिया पर ज़ोर दें।
सामान्य भविष्यत् काल की सामान्य जानकारी दें।

मैं	क्रिया धातु	ऊँगा/ऊँगी।
तुम	.....	ओगे/ओगी।
यह, वह, तू - एकवचन	.....	एगा/एगी।
ये, वे, हम, आप, बहुवचन	.....	एँगे/एँगी।

तालिका की सहायता से वाक्य बनाने का परिचय दें। छात्र भी वाक्य बनाएँ।

प्रक्रिया 11 – समझें .. बदलें ..

सामान्य वर्तमानकाल के वाक्य दें।
जैसेः मैं आता हूँ।
वह जाता है।
लड़के खेलते हैं।
तुम लिखते हो।
बच्ची दूध पीती है।
क्रिया के नीचे रेख खींचें।
सामान्य वर्तमानकार रूप समझा दें।
सामान्य वर्तमानकाल की क्रिया से ता/ते/ती, हूँ/हो/है/हैं निकालें।
कर्ता के अनुसार क्रियाधातु से सामान्य भविष्यत् काल के ऊँगा/ऊँगी, एगा/एगी, एँगे/एँगी, ओगे/ओगी जोड़ने दें। वाक्यों का वाचन करें।
अभ्यास में दिए सामान्य वर्तमानकाल के वाक्यों को सामान्य भविष्यत्काल में बदलकर लिखने की प्रक्रिया चलाएँ।

पाठ दो दूरभाष (कविता)

प्रक्रिया 1 सुनाएँ गीत .. गाएँ गीत ..

दूरभाष पर आधारित बालगीत का आलाप करें। आलाप कराएँ।

सुनता हैलो
बोलता हैलो
मिल जाता मन
खुल जाता संसार।

पहेलीः
बोलो मैं कौन हूँ?
सबके हाथ में रहता हूँ।
करते हैं मुझको डायल
सबका अपना-अपना होता हूँ।

प्रक्रिया 2 देखें .. पहचानें ..

दूरभाष के उपयोग और दुरुपयोग से संबंधित विडियो दिखाएँ।
मानव जीवन में दूरभाष के प्रभाव पर आधारित बातों का परिचय दें।

प्रक्रिया 3 पढ़ें .. समझें ..

पहली आठ पंक्तियों की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्नः
अगर दूरभाष न होता तो जीवन में क्या होता?
दूरभाष में कितने अंक होते हैं?
इन अंकों की उपयोगिता क्या है?
फोन उठाते ही हम क्या कहते हैं?
सारे संसार को किसने जीत लिया?
आठ पंक्तियों का आशय समझा दें।
बोलें-
अगर दूरभाष न होता तो हम अपने जीवन को शून्य महसूस करते हैं। जीवन के अकेलेपन को हम फोन की सहायता से सक्रिय बना देते हैं। फोन उठाते ही हमेशा हैलो शब्द सुनाई पड़ता है। दूसरे हैलो से बातचीत शुरू हो जाती है। कवि मानते हैं कि ऐसी बातचीत से लोगों के बीच में एक नया संसार खुल जाता है। इसलिए कवि ने कहा है कि हैलो शब्द की मीठी ध्वनि ने सारे संसार को देख लिया।

प्रक्रिया 4 – पढ़ें .. समझें ..

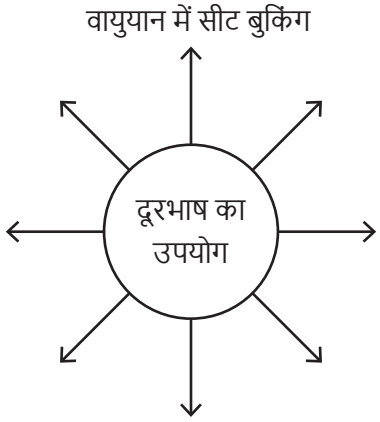

दूसरी आठ पंक्तियों की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
पदसूर्य की सहायता से दूरभाष के उपयोगों को सूचीबद्ध करें।
प्रश्नः
दूरभाष से हमें क्या-क्या सुविधाएँ मिलती हैं?
हाव-भाव से आलाप करें। छात्रों के साथ आलाप करें।
दूसरी आठ पंक्तियों का आशय समझा दें।
बोलें- कवि कहते हैं कि दूरभाष हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है। हम छोटी-छोटी बातों के लिए भी दूरभाष का उपयोग करते हैं। वायुयान या रेल में टिकट बुकिग करते हैं, बनिए से सामान खरीदते हैं, बच्चे स्कूल न जाते तो टीचर को फोन करते हैं, हम छुट्टी पत्र फोन द्वारा भेजते हैं। फोन से छात्र ऑनलाइन कक्षाओं का मज़ा लूटते हैं।

प्रक्रिया 5 – पढ़ें .. समझें ..

तीसरी आठ पंक्तियों की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्नः

क्रिकेट कमेंटरी हम कैसे सुनते हैं?
फोन से क्या-क्या खेल खेला जाता है?
ऑनलाइन व्यापार के क्षेत्र में फोल का महत्व क्या है?
दूरभाष रूढ़ जाए तो क्या होगा?

बोलेंः क्रिकेट कमेंटरी, संगीत, सिनेमा,धारावाहिक आदि फोन से देख सकते हैं। बच्चे से बूढ़े तक कई प्रकार के खेलों में लग जाते हैं। वाट्स आप और फेसबुक में दिन काटनेवाले कई लोग हमारे बीच में हैं। कवि कहते हैं- अगर दूरभाष एक पलभर को रूढ़ जाय तो हम अपना जीवन बेकार महसूस करेंगे।
हाव-भाव से आलाप करें। छात्रों के साथ आलाप करें।
तीसरी आठ पंक्तियों का आशय समझा दें।

प्रक्रिया 6 – पढ़ें .. समझें ..

अंतिम आठ पंक्तियों की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्नः

फोन से किनकी सूचना दे सकते हैं?
'अपनी मौत वे स्वयं ही मरते हैं'- कौन?
अपराधी लोग दूरभाष का उपयोग कैसे करते हैं?
अपराध के लिए दूरभाष का प्रयोग करने पर क्या परिणाम आता है?

बोलेंः

आग लग जाने की, डकैती की सूचना हम फोन से कर सकते हैं। ट्राफिक जैम में फँस जाएँ तो ट्रेन लेट हो जाए तो उसकी सूचना फोन से कर सकते हैं। दूरभाषा का दुरुपयोग भी हो रहा है। अपराधी जन फोन का दुरुपयोग करते हैं। इसका परिणाम बहुत बुरा निकलता है। कभी-कभी यह अपनी मौत का कारण बन जाता है।

प्रक्रिया 7 लिख-लिखते खुश हो जाएँ

दूरभाष कविता का आलाप करें। छात्र आलाप करें।
दूरभाष के उपयोग और दुरुपयोग पर चर्चा करें।
लिखेंः

दूरभाष का उपयोग	दूरभाष का दुरुपयोग

प्रक्रिया 8 आशय लिखें

दूरभाष कविता का आलाप करें।
छात्र आलाप करें।
आठ-आठ पंक्तियों का आशय समझाएँ।
पूरी कविता का आशय लिखने का अवसर दें।
वैयक्तिक वाचन हो।
दल में परिमार्जन हो।
दल की प्रस्तुति हो।

प्रक्रिया 9 खोजें ... लाएँ ...

विभिन्न फोन के चित्र इकट्ठा करें। उनसे फोन का अल्बम तैयार करें।
अभ्यास प्रक्रियाः पृ. 37 में दिए अभ्यास कार्य करें।
पृ. 38 में दूरभाष कंपनियों के नाम लिखें। मोबाइल सेवाओं के नाम लिखें।
अपने परिवार के सदस्यों के फोन नंबरों की तालिका बनाएँ।
आपातकालीन संपर्क नंबर चुन लें।
इसकी तालिका बनाकर स्कूल में, घर में चिपका दें।

प्रक्रिया 10 लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

सोचें- अगर दूरभाष सुविधा न होती तो...
अपना विचार सूचीबद्ध करें।
दल में संपुष्ट करें।
दल में इस विषय पर टिप्पणी तैयार करें।
दल की प्रस्तुति हो।
फोन के कुव्यसन का संदेश फैला दें।

लत
समय बर्बाद होता है।

पठ तीन चंद्रयान 3 (लेख)

प्रक्रिया 1 देखें ... समझें ...

अंतरिक्ष यानों से संबंधित चित्र/विडियो दिखाएँ।
प्रश्नों द्वारा अंतरिक्ष यात्रा और यान का महत्व समझा दें।

प्रक्रिया 2 देखें ... समझें ...

चंद्रयान 3 से संबंधित चित्र/विडियो दिखाएँ।
अंतरिक्ष अभियान में भारत का सफलतापूर्वक कदम का परिचय दें।

प्रक्रिया 3 – पढ़ें .. समझें .. (चंद्रयान 3 .... हो गया था।)

वाचन प्रक्रिया
पहले खंड की वाचन प्रक्रिया।
छात्र सस्वर वाचन करें।
दूसरा वाचन – अंकित वाचन है।
छात्र कठिन शब्दों को रेखांकित करें।
शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रसंगानुकूल अर्थ बताएँ।
वाक्य द्वारा ही अर्थ समझा सकते हैं।
छात्रों से वैयक्तिक वाचन कराएँ।
दलों में वाचन हो।
टीचर वाचन करें। कठिन प्रसंगों को समझाएँ।
प्रश्न पूछें-

चंद्रयान 3 किसके द्वारा चलाया गया मिशन है?
चंद्रयान 3 का उद्देश्य क्या था?
चंद्रयान 3 कहाँ से कब लोंच किया गया?
चंद्रयान 3 कब चंद्रमा से स्थापित हो गया?

जवाब देने का अवसर दें।

प्रक्रिया 4 ढूँढें ... लाएँ ...

अंतरिक्ष यान संबंधी चित्रों का संचयन करें।
दल में चार्ट पेपर पर चिपकाकर प्रदर्शित करें।

प्रक्रिया 5 पढ़ें ... समझें ... (इसके बाद ..... असफल रहा था।)

दूसरे खंड का वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न पूछें:

चंद्रयान 3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर कब सॉफ्ट लैंडिंग की?
इस मिशन से भारत की गरिमा कैसे बढ़ गई?
चंद्रयान 1 और चंद्रयान 2 को चाँद पर कब भेजा गया?

जवाब देने का अवसर दें।

प्रक्रिया 6 (चंद्रयान 3 ..... फिर से उगेगा।)

चंद्रयान 3 भारत के लिए बड़ी सफलता है। कैसे?
चंद्रयान 3 लैंडर से कब नीचे उतर गया?
प्रज्ञान रोवर क्या कर रहा था?
चंद्रयान 3 को स्लीप मोड में सैट कर दिया गया है। क्यों?
चंद्रयान 3 दोबारा कब शुरू किया जाएगा?

जवाब देने का अवसर दें।

प्रक्रिया 7 लिख-लिखते खुश जाए।

चंद्रयान 3 के बारे में दो छात्रों के बीच का वार्तालाप तैयार करें।
पाठभाग का वाचन करें।
चंद्रयान 3 की सभी जानकारी समझ लें।
वार्तालाप लिखें।
वैयक्त्क प्रस्तुति हो।
दल में परिमार्जन हो।
दल की प्रस्तुति हो।
संशोधन प्रक्रिया चलाएँ।

प्रक्रिया 8 लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

चंद्रयान 3 का सफलतापूर्वक लोंच के संबंध में रपट तैयार करें।
लेख का दुबारा वाचन करें।
रपट के लिए अनिवार्य जानकारी सूचीबद्ध करें।
रपट तैयार करें।
लेखन प्रक्रिया जारी रखें।

प्रक्रिया 9 अल्बम तैयार करें।

चंद्रयान 3 से संबंधित अल्बम तैयार करें।

एक म्यूसियम ऐसा भी (लेख) अतिरिक्त वाचन केलिए

प्रक्रिया 10 पढ़ें ... मज़ा लें ...

एक म्यूसियम ऐसा भी का वाचन करें।
छात्र वाचन करें। आशय समझें।मज़ा लें।
इंटरनेट से गजब की दुनिया में मज़ेदार जानकारियाँ खोज निकालें, कक्षा में प्रस्तुत करें।

3 हमारी पहचान

इस इकाई में तीन पाठ भाग है । संस्मरण, कविता, प्रेरक प्रसंग आदि । तीनों पाठ भाग गांधीजी से संबंधित है ।जैसे कि हम सब जानते हैं महात्मा गांधी 20वीं सदी की सबसे मशहूर हस्तियों में से एक हैं । महात्मा गांधी लाखों लोगों के लिए एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। छात्रों को गांधीजी के जीवन के कुछ प्रेरणादायक प्रसंगों से परिचय पाने का मौका इस इकाई के पाठ भागों से प्राप्त होगा ।

1.महात्मा गाँधीः प्रथम दर्शन, प्रथम अनुभूति

प्रोक्ति : संस्मरण

प्रक्रिया:
वाचन प्रक्रिया चलाएँ
वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।
दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।
कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से रोचक बनाने की कोशिश करें ।

1. परिचयात्मक गतिविधि:

प्रवेश कार्य- प्रश्न:
शिक्षक बच्चों से पूछें, "क्या आप जानते हैं कि महात्मा गाँधी कौन थे?" "क्या आपने कभी किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति को देखा है?"
बच्चों को महात्मा गाँधी की तस्वीर दिखाएँ और उनके बारे में संक्षेप में बताएं।

2. पाठ का वाचन और समझ:

पाठ वाचन:
छात्रों के वैयक्तिक वाचन के बाद शिक्षक बच्चों के सामने निबंध को सरल भाषा में पढ़कर सुनाएँ। वाचन के दौरान कठिन शब्दों

का अर्थ स्पष्ट करें।

सहायक प्रश्न:

1."गाँधीजी का वर्णन किस प्रकार किया गया है?"
2."मौलाना शौकत अली ने गाँधीजी के बारे में क्या कहा?"
3."महात्मा गाँधी को देखकर बच्चों का कैसा अनुभव हुआ?"

3. चर्चा और विचार-विमर्श:

विषय पर चर्चा:

- बच्चों से पूछें, "यदि आपको महात्मा गाँधी से मिलने का मौका मिलता, तो आप उनसे क्या पूछते?"
- "महात्मा गाँधी की सादगी और विनम्रता से हम क्या सीख सकते हैं?"

4. कला गतिविधि:

चित्र बनाना:

बच्चों को महात्मा गाँधी के साथ एक सभा या दृश्य का चित्र बनाने के लिए कहें, जैसा उन्होंने निबंध में सुना।

चरखा और गाँधी टोपी बनाना:

बच्चों को कागज़ से छोटा चरखा और गाँधी टोपी बनाने के लिए प्रेरित करें।

5. कहानी लेखन और प्रस्तुति:

निबंध आधारित कहानी:

बच्चों को सरल शब्दों में संस्मरण के आधार पर एक छोटी कहानी लिखने के लिए कहें, जैसे "गाँधीजी से मुलाकात"।

प्रस्तुति:

कुछ बच्चों को अपनी कहानी कक्षा में सुनाने के लिए प्रेरित करें।

6. नैतिक शिक्षा:

गाँधीजी की सादगी और विनम्रता:

शिक्षक बच्चों को महात्मा गाँधी के जीवन से सादगी, विनम्रता और सत्य की महत्ता के बारे में बताएं।

प्रेरणादायक विचार:

बच्चों से चर्चा करें कि वे अपने जीवन में गाँधीजी के किस गुण को अपनाना चाहेंगे।

7. समापन गतिविधि:

शब्दावली पुनरावृत्ति:

शिक्षक पाठ में आए महत्वपूर्ण शब्दों की पुनरावृत्ति करें और बच्चों से उनका अर्थ पूछें।

आभार व्यक्त:

बच्चों से कहें कि वे गाँधीजी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए एक वाक्य लिखें।

इन गतिविधियों से बच्चे न केवल पाठ को समझेंगे बल्कि महात्मा गाँधी की सादगी और उनके जीवन के मूल्यों को भी अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

अनुबद्ध कार्य :

पृष्ठ संख्या 51 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।

डायरी तैयार करें । (पृष्ठ संख्या 51)

छात्रों को डायरी लेखन की जानकारी देने के लिए चौथवीं कक्षा के पृष्ठ संख्या 13 की डायरी से संबंधित बातें प्रस्तुत करें ।

यह वाक्य पढें । (पृष्ठ संख्या 51&52)

- दिए गए वाक्यों के ज़रिए छात्रों को लिंग /वचन का बोध करवाएँ साथ ही साथ योजक शब्दों का महत्व भी बताएँ ।
- सामान्य वर्तमान काल और तात्कालिक वर्तमान काल के बारे में चर्चा करें वाक्यों को बदलकर लिखने का अभ्यास कराएँ । (पृष्ठ संख्या 52)

2.युगावतार बापू (कविता)

प्रक्रिया:

वाचन प्रक्रिया चलाएँ

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।

दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से सक्रिय बनाने की कोशिश करें ।

अधिगम उद्देश्य:

- छात्रों में महात्मा गांधी के प्रति सम्मान का भाव जगाना।
- कविता की सरल भाषा और लय के माध्यम से भाषा कौशल का विकास करना।
- कक्षा में चित्रण के माध्यम से रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

प्रक्रिया:

कविता के संबंध में समझाएँगे कि "बापू" किसे कहा जाता है और उनके बारे में कुछ सरल बातें बताएँगे।

- छात्रों के वैयक्तिक वाचन के बाद शिक्षक कविता की पहली पंक्तियाँ पढ़कर सुनाएँगे।
- छात्रों से पूछा जाएगा कि कविता में "डग" और "दृष्टि" शब्द का क्या अर्थ हो सकता है।
- फिर शिक्षक सरल शब्दों में कविता का अर्थ समझाएँगे, जैसे "डग" का अर्थ कदम और "दृष्टि" का अर्थ नजर होता है।

गतिविधि : कविता का चित्रण

प्रक्रिया:

- छात्रों को एक कागज दिया जाएगा और उनसे कहा जाएगा कि वे "बापू" के बारे में अपने विचारों को चित्रित करें।
- शिक्षक इस दौरान कविता की पंक्तियाँ पुनः दोहराएँगे ताकि बच्चे चित्रण के माध्यम से कविता को समझ सकें।

गतिविधि : सामूहिक पठन

प्रक्रिया: कक्षा के सभी छात्र कविता को सामूहिक रूप से पढ़ेंगे। शिक्षक उनकी उच्चारण और लय पर ध्यान देंगे और सही उच्चारण सिखाएँगे।

अनुबद्ध कार्य :

पृष्ठ संख्या 55 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।
शब्दों से नए वाक्य बनाएँ। (पृष्ठ संख्या 56)
बढ़ चलें - बढ़ चलें मैदान में।
शब्दों के सही पर्याय से मिलान करें। (पृष्ठ संख्या 56)

3.पानी का सदुपयोग (प्रेरक प्रसंग)

अधिगम उद्देश्य:

- छात्रों में पानी के महत्व और उसके सदुपयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना।
- नैतिक मूल्यों का विकास करना, जैसे कि संसाधनों का सम्मान और जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग।
- क्रियात्मक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

प्रक्रिया:

वाचन प्रक्रिया चलाएँ
वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।
दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।
कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से सक्रिय बनाने की कोशिश करें ।

गतिविधियाँ और प्रक्रिया:

शिक्षण सामग्री: पानी से संबंधित चित्र और वीडियो (यदि उपलब्ध हो)

1. पाठ परिचय :

शिक्षक छात्रों से पानी के महत्व के बारे में चर्चा करेंगे।
उनसे सवाल पूछें कि वे अपने दैनिक जीवन में पानी का उपयोग कैसे करते हैं।

2. पाठ का वाचन और व्याख्या:

- छात्रों के वैयक्तिक वाचन के बाद शिक्षक बच्चों को पाठ "पानी का सदुपयोग" पढ़कर सुनाएँ।
- बापू और रविशंकर महाराज के बीच हुई बातचीत की महत्ता पर जोर देते हुए समझाएँ कि पानी की एक-एक बूँद का मूल्य कितना है।
- छात्रों से यह पूछें कि अगर हम पानी व्यर्थ बहाते हैं तो इसके क्या परिणाम हो सकते हैं।

3. चर्चा और प्रश्न-उत्तर सत्र:

पाठ के आधार पर बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछें:
1.बापू पानी का सदुपयोग क्यों करते थे?
2.रविशंकर महाराज ने बापू से क्या पूछा?
3.बापू ने उन्हें क्या जवाब दिया?
बच्चों को प्रेरित करें कि वे अपने विचार साझा करें । वे पानी का उपयोग किस तरह से करते हैं और इसे कैसे बचा सकते हैं।

4. क्रियात्मक गतिविधि:

पानी बचाओ पोस्टर: बच्चों से कागज़ और रंगीन पेंसिल का उपयोग करते हुए "पानी बचाओ" विषय पर एक पोस्टर बनाने को कहें।
घर का काम: बच्चों को घर पर पानी बचाने के 3 तरीके ढूँढकर लिखने का कार्य दें और अगले दिन इसे कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए कहें।

5. समापन:

- शिक्षक पाठ के मुख्य संदेश को पुनः **संक्षेप में बताएँ: पानी का सदुपयोग करना चाहिए और हमें इसे बर्बाद नहीं करना चाहिए।**
- बच्चों को पानी बचाने की शपथ दिलवाएँ।

ध्यान दें:

- बच्चों की क्रियात्मक गतिविधि का प्रदर्शन कक्षा के बोर्ड पर करें, ताकि अन्य छात्र भी इससे प्रेरणा ले सकें।
- बच्चों के उत्तरों और उनके कार्यों की सराहना करें ताकि वे भविष्य में पानी के सदुपयोग के प्रति अधिक सजग रहें।

अनुबद्ध कार्य :

- पृष्ठ संख्या 59&60 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।
- **वार्तालाप (बातचीत) लिखें ।** (पृष्ठ संख्या 60)

छात्रों को बातचीत तैयार करने की जानकारी देने केलिए पृष्ठ संख्या 13 की बातचीत से संबंधित बातें प्रस्तुत करें ।

- **पोस्टर तैयार करें ।**

छात्रों को पोस्टर तैयार करने की जानकारी देने के लिए चौथवीं कक्षा के पृष्ठ संख्या 57 की पोस्टर से संबंधित बातें प्रस्तुत करें ।

- **विलोम शब्दों से मिलान करें ।**
- प्रक्रिया तैयार करके छात्रों से उपर्युक्त कार्य करवाने को मदद दें ।

4 बदलें समाज को

इस इकाई में तीन पाठ भाग - दो कहानियाँ और एक कविता है । इसके अलावा अतिरिक्त वाचन केलिए एक कविता है ।इस इकाई के ज़रिए महिला सशक्तिकरण पर चर्चा होना है । आजकल के समाज में महिला सशक्तिकरण के बारे में सोचना बहुत जरूरी है। महिला समाज की नेत्री है और उसके द्वारा समाज में बदलाव ला सकते हैं ।

महिला सशक्तीकरण को बेहद आसान शब्दों में परिभाषित किया जा सकता है कि इससे महिलाएं शक्तिशाली बनती है जिससे वह अपने जीवन से जुड़े सभी फैसले स्वयं ले सकती है और परिवार और समाज में अच्छे से रह सकती है। समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना महिला सशक्तीकरण है। इसमें ऐसी ताकत है कि वह समाज और देश में बहुत कुछ बदल सके।

1.अपनी कमाई (कहानी)

अधिगम उद्देश्य:

- छात्रों में मेहनत, ईमानदारी, और स्वावलंबन के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
- नैतिक मूल्यों का विकास करना, जैसे कि आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी।
- क्रियात्मक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों की रचनात्मकता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करना।

प्रक्रिया:

वाचन प्रक्रिया चलाएँ

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।

दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से सक्रिय बनाने की कोशिश करें ।

गतिविधियाँ और प्रक्रिया:

1. पाठ परिचय:

- शिक्षक बच्चों को स्वावलंबन और मेहनत से कमाई के महत्त्व के बारे में संक्षिप्त परिचय देंगे।
- बच्चों से सवाल पूछें कि उन्होंने कभी किसी से मदद ली है या कोई काम किया है जिससे उन्हें कुछ मिला हो।

2. पाठ का वाचन और व्याख्या:

- छात्रों के वैयक्तिक वाचन के बाद शिक्षक कहानी "अपनी कमाई" को कक्षा में जोर से पढ़ें और बच्चों को कहानी के मुख्य बिंदुओं की व्याख्या करें।
- विमला की मेहनत और उसकी सोच से कैसे झुग्गी-झोंपड़ी के बच्चों की जिंदगी बदल गई, इस पर चर्चा करें।
- बच्चों से पूछें कि वे इस कहानी से क्या सीखते हैं।

3. चर्चा और प्रश्न-उत्तर सत्र :

पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्न पूछें:

1.विमला ने किस काम से पैसे कमाने शुरू किए?

2.विमला के इस कदम से अन्य बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ा?

3.गाँव के हेडमास्टर ने बच्चों के लिए क्या कदम उठाए?

बच्चों को प्रोत्साहित करें कि वे अपने विचार साझा करें कि वे कैसे मेहनत से कुछ हासिल कर सकते हैं।

4. क्रियात्मक गतिविधि :

- स्वावलंबन चार्ट: बच्चों से पूछें कि वे अपने घर में कौन-कौन से काम करके अपने माता-पिता की मदद कर सकते हैं। बच्चों से इन कामों की एक सूची बनाने को कहें और इस पर एक चार्ट बनवाएँ।
- कहानी की पुनर्रचना: बच्चों को छोटे दलों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत करने के लिए कहें। इस प्रक्रिया से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे कहानी के मूल संदेश को और गहराई से समझ पाएंगे।

5. समापन :

- शिक्षक कहानी के मुख्य संदेश को पुनः संक्षेप में बताएँ: मेहनत से कमाई करने की महत्ता और स्वावलंबन का मूल्य।
- बच्चों को प्रेरित करें कि वे अपने जीवन में मेहनत और ईमानदारी को अपनाएँ।

ध्यान दें:

- बच्चों की क्रियात्मक गतिविधियों का प्रदर्शन कक्षा के बोर्ड पर करें, ताकि अन्य छात्र भी इससे प्रेरणा ले सकें।
- बच्चों के उत्तरों और उनके कार्यों की सराहना करें, ताकि वे भविष्य में मेहनत और ईमानदारी से कमाई करने के प्रति और सजग रहें।

अनुबद्ध कार्य :

- वचन और लिंग का परिचय कराएँ । उससे संबंधित पाठ्य पुस्तक की परिभाषा पर चर्चा करें । (पृष्ठ संख्या 65)
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (पृष्ठ संख्या 66)
- पृष्ठ संख्या 66 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।
- 'शिक्षा से ही भविष्य चमक उठेगा' इस पर लघु लेख तैयार करवाए ।

शिक्षा से ही भविष्य चमक उठेगा

शिक्षा हमारे जीवन की एक मजबूत नींव है, जिस पर हमारा भविष्य टिका होता है। जब हम स्कूल में पढ़ते हैं, तो हम न केवल किताबों से ज्ञान प्राप्त करते हैं, बल्कि जीवन जीने के महत्वपूर्ण तरीके भी सीखते हैं।

शिक्षा हमें सोचने-समझने की क्षमता देती है, जिससे हम सही और गलत के बीच फर्क कर पाते हैं। जब हम अच्छी तरह से पढ़ाई करते हैं, तो हम डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, या वैज्ञानिक बन सकते हैं और अपने सपनों को साकार कर सकते हैं।

इसके अलावा, शिक्षा हमें समाज का एक अच्छा नागरिक बनाती है, जिससे हम अपने देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। इसलिए, अगर हम चाहते हैं कि हमारा भविष्य उज्ज्वल और खुशहाल हो, तो हमें शिक्षा को अपना सबसे अच्छा साथी बनाना चाहिए।

याद रखें, शिक्षा से ही हमारा भविष्य चमक उठेगा!

2.औरत (कविता)

प्रक्रिया:

वाचन प्रक्रिया चलाएँ

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।

दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से सक्रिय बनाने की कोशिश करें ।

अधिगम उद्देश्य:

- छात्रों को कविता के माध्यम से महिलाओं के जीवन, उनके संघर्ष, प्रेम, और आस्था के प्रति संवेदनशील बनाना।
- कविता के भावों को समझने और उन्हें चित्रों और शब्दों के माध्यम से व्यक्त करने की क्षमता विकसित करना।

गतिविधियाँ:

कविता का वाचन और भावार्थ:

कविता का परिचय दें और बच्चों को प्रेरित करें कि वे इसे ध्यान से सुनें।

- शिक्षक बच्चों को कविता का स्पष्ट और भावपूर्ण वाचन कराएँ।
- वाचन के बाद कविता के मुख्य भावों और शब्दों पर चर्चा करें। जैसे, "अग्निपथ", "प्रेम", "श्रम", और "जीवन का उत्सव" शब्दों का अर्थ और संदर्भ समझाएँ।

चित्रकला गतिविधि:

- बच्चों को "औरत" कविता के अनुसार एक चित्र बनाने के लिए कहें, जिसमें वे एक महिला को जीवन की चुनौतियों का सामना करते हुए दिखाएँ। चित्र में वह महिला तसला उठाए चल रही हो, उसके पीछे सूर्य, आकाश, और धरती का चित्रण हो।
- इस चित्रकला के माध्यम से वे कविता में प्रस्तुत छवियों को समझने और उन्हें व्यक्त करने का प्रयास करेंगे।

शब्दावली निर्माण:

- कविता में आए कठिन और नए शब्दों की सूची बनाकर उनका सरल अर्थ समझाएँ। जैसे, "कर्कश", "अछोर", "आदिम" आदि।
- इन शब्दों का उपयोग करके छोटे-छोटे वाक्य बनाने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें।

दलों में चर्चा:

- बच्चों को दलों में बाँटकर चर्चा करवाएँ कि कविता में औरत के संघर्ष और प्रेम को कैसे दर्शाया गया है।
- इस चर्चा से बच्चों के विचार और समझ को विकसित करने का प्रयास करें।

प्रश्नोत्तरी:

कविता से संबंधित प्रश्न पूछें, जैसे

1."कविता में औरत को कैसे दर्शाया गया है?",

2."कविता में औरत के संघर्ष को किस प्रकार चित्रित किया गया है?" आदि।

समापन:

- गतिविधियों के अंत में बच्चों के काम की समीक्षा करें और उनकी समझ को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

- इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चे "औरत" कविता को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे और महिलाओं के संघर्ष, प्रेम, और जीवन की महत्ता को महसूस कर सकेंगे।

गतिविधियों का संचालन:

- प्रत्येक गतिविधि के लिए समय निर्धारित करें और बच्चों को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

अनुबद्ध कार्य :

- विशेषण शब्दों का परिचय कराएँ । उससे संबंधित चर्चा करें । (पृष्ठ संख्या 69)
- पृष्ठ संख्या 70 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें
- कविता की पंक्तियों का आशय लिखने का निर्देश दें । (पृष्ठ संख्या 70)
- लिंग और पर्यायवाची शब्दों का परिचय कराए । उससे संबंधित चर्चा करें ।

(पृष्ठ संख्या 70)

3.क्या बनोगी मुनिया (कहानी)

प्रक्रिया:

वाचन प्रक्रिया चलाएँ

वैयक्तिक वाचन के बाद चुनिंदे छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ ।

दलों में विचार विनिमय का मौका दें ।

कक्षा को निम्नलिखित प्रक्रियाओं से सक्रिय बनाने की कोशिश करें

अधिगम उद्देश्य:

- छात्रों को विभिन्न पेशों और कार्यों की जानकारी देना और उनके महत्व को समझाना।
- छात्रों में साहस, दयालुता, और सही निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करना।
- क्रियात्मक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों की रचनात्मकता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करना।

गतिविधियाँ:

कहानी का वाचन और चर्चा:

- कहानी का परिचय दें और बच्चों को उत्साहित करें कि वे इसे ध्यान से सुनें और समझें।
- छात्रों के वैयक्तिक वाचन के बाद शिक्षक "क्या बनोगी मुनिया" कहानी का वाचन करें और कहानी के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करें।
- बच्चों से पूछें कि मुनिया ने कौन-कौन से काम करने को सोची और आखिर में उसने क्या किया? इससे बच्चों के सोचने-समझने की क्षमता बढ़ेगी।

प्रश्नोत्तरी:

कहानी के आधार पर बच्चों से प्रश्न पूछें, जैसे

1."मुनिया ने डॉक्टर बनने का विचार क्यों छोड़ा?",

2."मुनिया ने आखिर में कौन सा कार्य किया जिससे सब खुश हो गए?" आदि।

रोल प्ले (भूमिका निभाना):

- बच्चों को अलग-अलग पेशों का किरदार निभाने के लिए कहें, जैसे किसान, रसोईया, डॉक्टर, इंजीनियर आदि।
- मुनिया के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए, बच्चे उन पेशों से संबंधित कामों का अभिनय करेंगे।
- यह गतिविधि बच्चों को अलग-अलग पेशों की महत्वता और कठिनाईयों को समझने में मदद करेगी।

दलों में चर्चा:

- बच्चों को छोटे दलों में बाँटें और उनसे चर्चा करवाएँ कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं और क्यों।
- हर बच्चे को अपनी पसंद और उसके पीछे के कारणों को साझा करने के लिए प्रेरित करें।
- इस गतिविधि से बच्चे अपने विचारों को व्यक्त करने और दूसरों के विचारों को समझने में सक्षम होंगे।

दयालुता का मूल्य:

- बच्चों से प्रश्न करें कि उन्होंने कहानी में मुनिया के द्वारा बकरी के बच्चे को बचाने के कार्य के बारे में क्या सीखा।
- बच्चों को इस बात पर सोचने और चर्चा करने के लिए कहें कि दयालुता और साहस का जीवन में क्या महत्व है।
- इस चर्चा से बच्चों को यह समझने में मदद मिलेगी कि सही निर्णय और दयालुता से भी समाज में एक पहचान बनाई जा सकती है।

गतिविधियों का संचालन:

प्रत्येक गतिविधि के लिए समय निर्धारित करें और बच्चों को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

समापन:

- बच्चों की गतिविधियों का समीक्षा करें और उन्हें उनके प्रयासों के लिए प्रोत्साहित करें।
- इन गतिविधियों के माध्यम से, बच्चे मुनिया की कहानी के विभिन्न पहलुओं को समझ पाएंगे और अपने जीवन में भी सही निर्णय लेने और दयालुता दिखाने की प्रेरणा लेंगे।

अनुबद्ध कार्य :

- विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर कक्षा संचालन के अनुसार लिखकर आने का निर्देश दें ।
- पृष्ठ संख्या 76 के प्रश्नों के उत्तर लिखकर दें।
- **भाषण तैयार करें ।** (पृष्ठ संख्या 77)

मुनिया ने गड्ढे से बकरी के बच्चे को बचाया ।अगले दिन जब वह स्कूल गई तो स्कूल सभा में मुनिया को शाबाशी देते हुए प्रधान अध्यापक ने भाषण दी ।भाषण तैयार करें ।

भाषण: मुनिया की बहादुरी पर

प्रिय छात्रों और अध्यापकों,

आज मैं आप सभी के सामने एक छोटी सी बच्ची की बहादुरी और दयालुता की कहानी बताने आया हूँ। यह कहानी हमारी अपनी मुनिया की है, जो आज हमारे बीच बैठी है।

कल की बात है, मुनिया ने एक ऐसा काम किया जिसने हम सभी का दिल जीत लिया। मुनिया ने अपने प्यारे बकरी के बच्चे को गड्ढे में गिरते देखा। वह जानती थी कि अगर वह समय पर उसे नहीं बचाएगी, तो वह छोटा सा जानवर और भी गहरे संकट में पड़ सकता है।

मुनिया ने बिना किसी डर के, अपने साफ-सुथरे स्कूल के कपड़ों और नए जूतों की परवाह किए बिना, तुरंत गड्ढे में छलांग लगा दी। उसने बकरी के बच्चे को अपनी गोद में उठाया और उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

मुझे बहुत गर्व है कि हमारी मुनिया ने अपने प्यारे बकरी के बच्चे के लिए यह साहसिक कदम उठाया। यह दिखाता है कि मुनिया न केवल एक बहादुर लड़की है, बल्कि उसके दिल में बहुत सारा प्यार और दया भी है।

मुनिया, तुम्हारे इस अद्त कार्य के लिए मैं तुम्हें शाबाशी देना चाहता हूँ। तुमने जो किया, वह हमें सिखाता है कि किसी की मदद करने में किसी भी तरह की कठिनाई का सामना करना हमें डराना नहीं चाहिए। हम सभी को तुमसे प्रेरणा लेनी चाहिए और जब भी किसी को हमारी जरूरत हो, हमें हमेशा मदद के लिए तैयार रहना चाहिए।

बच्चों, मैं चाहता हूँ कि आप सभी मुनिया से सीखें और अपनी ज़िम्मेदारियों को समझें। हम सभी को अपनी पढ़ाई में अच्छे अंक लाने के साथ-साथ ऐसे छोटे-छोटे कार्यों से भी अपनी पहचान बनानी चाहिए। याद रखें, असली हीरो वही होता है जो किसी की मदद करने के लिए तैयार रहता है, चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों।

धन्यवाद।

पढ़े समझे और लिखें। (पृष्ठ संख्या 77)

अपना विचार प्रकट करें। (पृष्ठ संख्या 77)

- बड़े होकर आप क्या बनना चाहते हैं? दुनिया में अच्छा नाम कमाने के लिए कैसा काम करना है? अपना विचार प्रकट करें।

बड़े होकर आप क्या बनना चाहते हैं? दुनिया में अच्छा नाम कमाने के लिए कैसा काम करना है?

बचपन में हम सभी के मन में कई सपने होते हैं। हम सोचते हैं कि बड़े होकर डॉक्टर, शिक्षक, इंजीनियर, वैज्ञानिक या किसी और अच्छे काम में नाम कमाएं। लेकिन सवाल यह है कि हमें ऐसा क्या काम करना चाहिए जिससे हम दुनिया में अच्छा नाम कमा सकें?

दुनिया में अच्छा नाम कमाने के लिए सबसे जरूरी है कि हम जो भी काम करें, उसे पूरी ईमानदारी, मेहनत और लगन के साथ करें। हर काम की अपनी अहमियत होती है। हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए, ईमानदारी से काम करना चाहिए और हमेशा सच्चाई के रास्ते पर चलना चाहिए।

अगर हम कोई भी काम पूरे दिल से करेंगे और दूसरों की भलाई के बारे में सोचेंगे, तो यकीनन दुनिया में हमारा नाम भी अच्छा होगा। याद रखें, काम चाहे छोटा हो या बड़ा, उसे दिल से करना ही हमें खास बनाता है।

तो, आप चाहे जो भी बनना चाहें, बस उसे पूरी मेहनत, ईमानदारी और सच्चाई के साथ करें। यही आपके लिए सफलता का रास्ता होगा।

सवेरे का समय (कविता) अतिरिक्त वाचन के लिए

- छात्र स्वयं कविता पढ़कर आस्वादन करें । (पृष्ठ संख्या 78 & 79)
- प्रातः काल की शोभा पर छात्र अपनी ओर से कविता लिखें और उससे संबंधित चित्र भी बनाएँ। । (पृष्ठ संख्या 80)